पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल जी ने समस्त राज्य विश्वविद्यालयों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 के तैयारियों के सम्बन्ध में ऑनलाइन बैठक की

विश्वविद्यालय अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर छात्र–छात्राओं की शत–प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें

पाठ्यक्रम में शामिल विषयों का हिंदी अनुवाद किया जाय

विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में स्टूडेंट काउंसिल के साथ योग क्लब की स्थापना

विश्वविद्यालय पूरे वर्ष योग संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन करें

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा से ज्यादा एम0ओ0यू0 करें विश्वविद्यालय

शिक्षकों तथा विश्वविद्यालयों के सभी स्टाफ का कैम्प लगाकर हेल्थ चेकअप सुनिश्चित करें

–राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

योग को एक स्पोर्ट की तरह लेने की जरूरत है

पुस्तकों का हिंदी अनुवाद विश्वविद्यालयों को अपनी वेबसााइट पर अपलोड कराना चाहिए

प्रमुख सचिव राज्यपाल, श्रीमती कल्पना अवस्थी

––––––––

लखनऊः 01 मई, 2023

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहां राजभवन में समस्त राज्य विश्वविद्यालयों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 की तैयारियों के संबंध में ऑनलाइन बैठक की।

इस अवसर पर राज्यपाल जी ने कहा कि योग के प्रति जन–मानस को जागृत करने के लिए विश्वविद्यालयों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विश्वविद्यालय तथा उनसे सम्बद्ध महाविद्यालयों में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थी तथा उनके अभिभावक और विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के शिक्षकगण तथा उनके परिवार के सदस्य भी योग दिवस के दिन बढ़–चढ़कर हिस्सा लें तथा देश को निरोग बनाने की दिशा में अपना–अपना योगदान दें। इसी क्रम में राज्यपाल जी ने सुझाव दिया कि कार्यक्रम के आयोजन के लिए विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में उपलब्ध स्थल जैसे स्टेडियम, खेल के मैदान, गार्डन, विभागीय परिसर तथा सार्वजनिक स्थानों का चयन किया जाय जिससे कि जगह की कमी से कोई भी इस महान योग पर्व में भाग लेने से वंचित न रह जाये।

राज्यपाल जी ने योग के प्रति जिज्ञासा को बढ़ाने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के पहले से ही विश्वविद्यालयों में योग दिवस से संबंधित कार्यक्रमों को आयोजित करने के निर्देश दिये तथा सुझाव दिया कि योग के महत्व को दर्शाते हुए विभिन्न विषयों जैसे पेंटिंग, ड्राइंग स्पर्धा, भाषण स्पर्धा, निबंध स्पर्धा, योग प्रयोगात्मक स्पर्धा, योग प्रशिक्षण कैम्प आदि कार्यक्रम आयोजित किये जायें तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाय।

राज्यपाल जी ने कहा कि विश्वविद्यालयों तथा सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा गोद लिए गये गांवों में भी एनसीसी तथा एनएसएस के छात्रों द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जाना चाहिए जिससे ग्रामवासियों को योग के फायदों के प्रति जागरूक किया जा सके तथा उनको भी इसका लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में स्टूडेंट काउंसिल के साथ योग क्लब की स्थापना तथा पूरे वर्ष योग संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन होना चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उन्होंने प्राइवेट विश्वविद्यालयों को अपने साथ जोड़ने का सुझाव देते हुए कहा कि कार्यक्रम को प्रभावी रूप से सफल बनाने के लिए योग प्रशिक्षकों की मदद ली जानी चाहिए।

राज्यपाल जी ने बैठक में योग को पाठ्यक्रम में शामिल करने का निर्देश देते हुए कहा कि योग और आहार को साथ में लेकर चलने की जरूरत है। विद्यार्थियों को योग के साथ–साथ स्वस्थ आहार की भी शिक्षा दी जानी चाहिए। योग और मिलेट्स को एक साथ रखकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों को कैम्प लगाकर सभी अध्यापकों तथा स्टाफ का हेल्थ चेकअप करवाने का भी सुझाव दिया। राज्यपाल जी ने कहा कि पशुओं के इलाज के लिए संगीत एक प्राचीन एवं प्रभावशाली विधा है। संगीत की धुनों का पशुओं के शारीरिक तथा मानसिक स्थिति पर बहुत प्रभाव होता है। उन्होंने कृषि विश्वविद्यालयों को इस दिशा में भी कार्य करने का निर्देश दिया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के कार्यान्वयन के संदर्भ में विश्वविद्यालयों द्वारा की गई कार्यवाही के संबंध में चर्चा करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों को जल्द से जल्द पुस्तकों का हिंदी में अनुवाद करा लेना चाहिए जिससे कि विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा में शिक्षा ग्रहण करने का अवसर प्राप्त हो सके। उन्होंने पुस्तकों के अनुवाद में

दुहराव से बचने के लिए सभी विश्वविद्यालयों को आपस में सामंजस्य बनाकर कार्य करने का सुझाव दिया। इसी क्रम में विश्वविद्यालयों द्वारा नैक मूल्यांकन का राजभवन में प्रस्तुतिकरण के विषय पर चर्चा करतें हुए राज्यपाल जी ने क्यू एस एशिया तथा क्यू एस वर्ल्ड रैंकिंग के संबंध में विश्वविद्यालयों द्वारा किये गये कार्यों की भी जानकारी प्राप्त की तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा से ज्यादा एम ओ यू साइन करने को कहा जिससे कि हमारे विद्यार्थियों को उसका लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि ग्लोबल लिस्टिंग में अपना स्थान बनाने के लिए विश्वविद्यालयों को प्रयास करने की जरूरत है क्योंकि इसका लाभ विश्वविद्यालयों को तो मिलता ही है साथ में वहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी मिलता है।

राज्यपाल जी की अपर मुख्य सचिव श्रीमती कल्पना अवस्थी जी ने बैठक अपने विचार व्यक्त करते हुए सुझाव दिया कि पुस्तकों का हिंदी अनुवाद विश्वविद्यालयों को अपनी वेबसााइट पर अपलोड कराना चाहिए जिससे कि विद्यार्थी उसे सुगमता से डाउनलोड करके पढ़ाई कर सकें। योग पर आपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि समाज को स्वस्थ बनाने के लिए तथा बिमारियों को दूर भगाने के लिए योग को एक स्पोर्ट की तरह लेने की जरूरत है। जिस प्रकार हम क्रिकेट को जितने उत्साह और रूचि के साथ खेलते और देखते है उसी प्रकार योग को भी महत्व देने की आवश्यकता है।

बैठक में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल श्रीमती कल्पना अवस्थी, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा श्री पंकज जॉनी, विश्वविद्यालयों के कुलपति तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

————
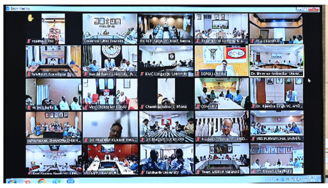
राम मनोहर त्रिपाठी/
सहायक निदेशक,
डॉ0 संगीता चौधरी, राजभवन
सम्पर्क सूत्र– 9161668080